बीजेपीः ताकत बढ़ाने का तानाबाना

अब शुरू हुई क्रिकेट की सफाई

फड़नवीसः फंसाने वाले कई

यू.पी.-उत्तराखंड विशेष

9 770971 372703 1530

इंडिया टुडे

29 जुलाई 2015 20 रुपए

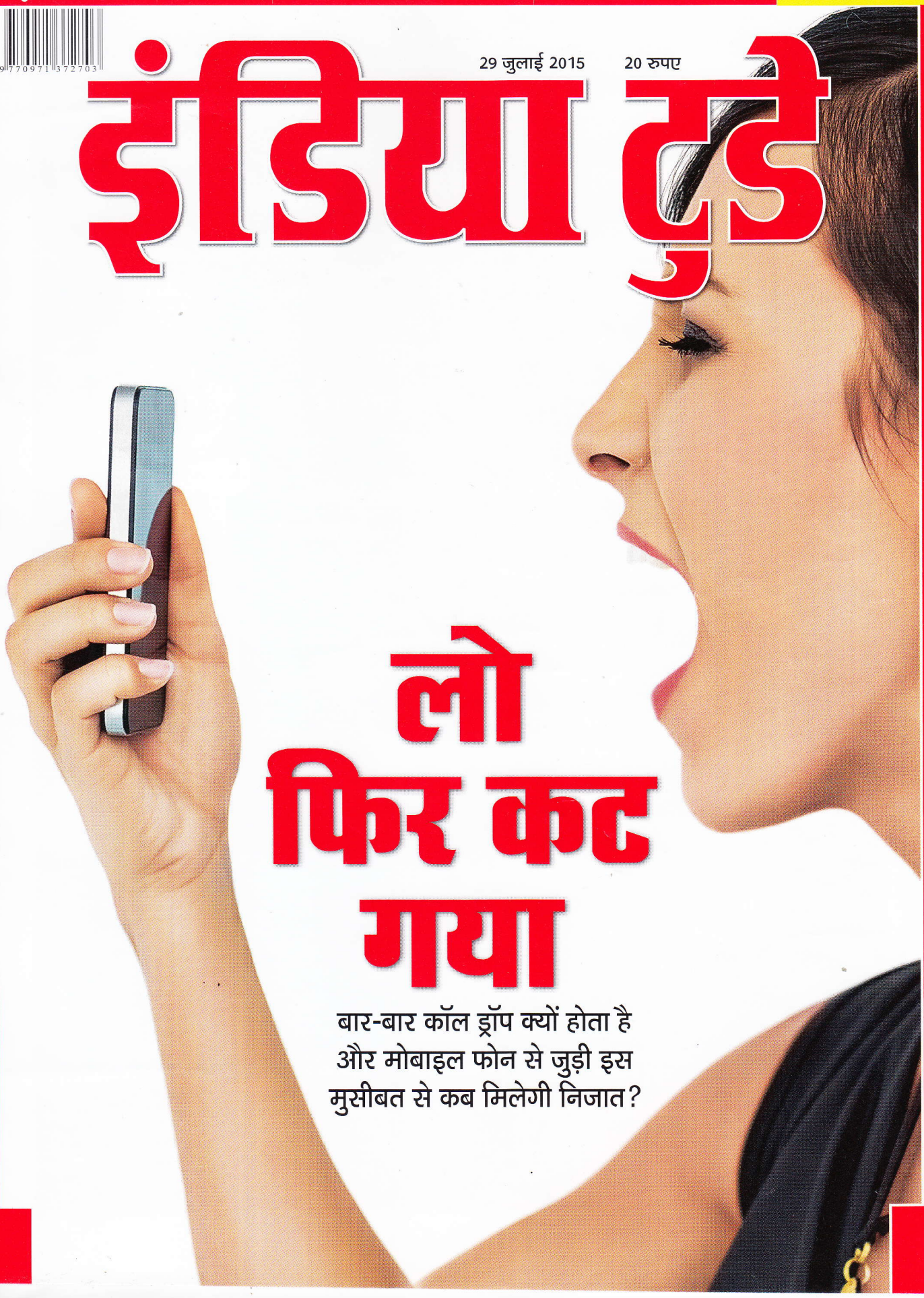

लो फिर कट गया

बार-बार कॉल ड्रॉप क्यों होता है और मोबाइल फोन से जुड़ी इस मुसीबत से कब मिलेगी निजात?

www.indiatodayhindi.in

RNI NO. 45582/88 REGISTERED NO. FARIDABAD/46/2014-16 ; DL(ND)-11/6042/2015-2017; U(C)-31/2015-2017 LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT

जीएलए यूनिवर्सिटी की लैब में अपने प्रोजेक्ट पर काम करते स्टुडेंट

टेक्निकल एजुकेशन की रेस में आगे निकलने की होड़

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश दुनिया के बेहतरीन शैक्षणिक संस्थानों से टक्कर लेने की कोशिश कर रहा है. इसीलिए बरसों तक हाशिए पर पड़े रिसर्च को इतना महत्व दिया जा रहा है

■ आशीष मिश्र

अमेरिका में वर्तमान शैक्षिक सत्र के दौरान पढ़ाई जाने वाली हाइस्कूल की किताब के पन्नों पर दो भारतीयों ने पहली बार दस्तक दी है. यहां पर्यावरण कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली किताब 'कैन ग्लेशियर ऐंड आइसमेल्ट बी रिवर्स्ड' का सातवां अध्याय उत्तर प्रदेश टेक्निकल यूनिवर्सिटी (यूपीटीयू) के दो शिक्षकों के शोध पर आधारित है. अध्याय का शीर्षक है—'द मेल्टिंग ऑफ ग्लेशियर कैननॉट बी रिवर्स्ड विद ग्लोबल वार्मिंग'. इसमें बताया गया है कि उत्तरी ध्रुव पर ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पिघल रहे ग्लेशियर दोबारा आपस में नहीं जुड़ सकेंगे और वर्ष 2030 तक यहां बहुत थोड़ी ही बर्फ बचेगी. इसकी वजह से अमेरिका में तूफान आने की दर तेजी से बढ़ेगी.

यूपीटीयू के वर्तमान कुलपति प्रो. ओंकार सिंह के मार्गदर्शन में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एमएमएस) लखनऊ के निदेशक प्रो. भरतराज सिंह के शोध के नतीजों ने तीन साल पहले अमेरिका में खासी हलचल मचा दी थी. सितंबर, 2012 में प्रकाशित पुस्तक *ग्लोबल वार्मिंग ऑन फ्यूचर प्रॉस्पेक्टिव* में उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि अगले दशक में बड़े तूफानों से एक तिहाई न्यूयॉर्क शहर डूब जाएगा. किताब के बाजार में आने के डेढ़ महीने बाद ही न्यूयॉर्क सैंडी नामक तूफान की भयंकर चपेट में आकर एक-तिहाई डूब गया. प्रकाशित शोध की भविष्यवाणी के सही साबित होने की वजह से यह किताब उस साल अमेरिका की पहली दस बेस्ट सेलर किताबों में थी. यही नहीं, इसी वर्ष मार्च में *लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स* ने भी प्रो. ओंकार सिंह और प्रो. भरतराज सिंह को 'फर्स्ट इंडियन एकेडमीशियंस वर्क इन यूएसए

श्री रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप ऑफ प्रोफेशनल कॉलेजेज, लखनऊ

कोर्स: बीटेक, बीबीए, बीसीए, एमबीए और एमसीए
खूबियां: विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग लैब, आइआइटी और एनआइआइटी के पूर्व छात्रों से भरी फैकल्टी, वाइफाइ कैंपस.
इस संस्थान के शिक्षकों में अधिकांश आइआइटी और एनआइटी जैसे तकनीकी संस्थानों से पढ़े हैं. यहां रिसर्च पर सबसे ज्यादा फोकस होता है. लाइब्रेरी में शिक्षकों के लिए अंतरराष्ट्रीय जर्नल हैं ताकि वे वैश्विक स्तर पर तकनीकी शिक्षा में आ रहे बदलावों को समझ सकें. यहां छात्रों के अभिभावकों से निरंतर संवाद बनाए रखा जाता है.
पढ़ाई के साथ-साथ खेल और रोबोटिक्स से जुड़ी गतिविधियां होती हैं. 'टर्म पेपर' के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों के बीच एक कंपीटिशन का माहौल तैयार किया जाता है. वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए प्रयोगशाला की सुविधा है, जिसके उपकरणों की सेंसटिविटी रेंज बहुत ज्यादा है. टीसीएस, एचसीएल, हिन्दुस्तान लेटेक्स, इन्फोसिस, विप्रो और जीई जैसी नामचीन कंपनियां नियमित तौर पर बड़ी संख्या में इस संस्थान के छात्रों को अपने यहां प्रवेश दे रही हैं.

"हमारे छात्र वैश्विक चुनौतियों से निबटने के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित होते हैं. पढ़ाई के दौरान लगातार चलने वाली एक सतत मूल्यांकन प्रक्रिया उन्हें इस योग्य बनाती है."
पंकज अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक

सात कदम बदलेंगे टेक्निकल एजुकेशन का चेहरा

1. बेहतर प्लेसमेंट के लिए 17 जुलाई से नोएडा कैंपस में मेगा जॉब फेयर शुरू.
2. इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड टेक्नोलॉजी लखनऊ, एचबीटीआइ कानपुर, यूपी टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट और गोरखपुर की मदन मोहन मालवीय टेक्निकल यूनिवर्सिटी में इंक्युबेशन सेंटर खुलेंगे.
3. हिंदी भाषी क्षेत्र के ग्रामीण परिवेश से आने वाले स्टुडेंट्स को ध्यान में रखते हुए मोबाइल पर हिंदी में कोर्स उपलब्ध कराने की योजना.
4. यूपीटीयू में खुलेगा इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लायबिलिटी ऐंड स्किल डेवलपमेंट.
5. ऑनलाइन मॉडल पेपर मिलेगा. वेबपोर्टल पर हर विषय के टॉप थ्री मॉडल पेपर होंगे.
6. स्टुडेंट्स अब अपने छूटे हुए लेक्चर को यूट्यूब पर पढ़ सकेंगे. कॉलेज वेबसाइट पर क्लासनोट्स नाम से लिंक बनाया गया है, जिस पर नोट्स अपलोड किए जा रहे हैं.
7. बी-टेक, एमटेक, एमबीए आदि कोर्स का करिकुलम तय करने में छात्रों की भूमिका होगी. करिकुलम बनाने वाले बोर्ड ऑफ स्टडीज में गोल्ड मेडलिस्ट स्टुडेंट्स शामिल.

टेक्स्टबुक' के रूप में जगह दी है.

यूपीटीयू और उससे संबद्ध कॉलेज अब इनोवेशन के क्षेत्र में किसी भी प्रतिष्ठित संस्थान से होड़ लेते दिखाई दे रहे हैं. श्री रामस्वरूप कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ऐंड मैनेजमेंट में बीटेक (मैकेनिकल) अंतिम वर्ष की पढ़ाई के दौरान रत्नेश श्रीवास्तव और कुछ छात्र पिछले साल मार्च में जालंधर में आयोजित 'इलेक्ट्रिक सोलर वेहिकिल्स चैंपियनशिप' में अपना इनोवेशन दिखाना चाहते थे. प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए कुछ पैसे कम पड़े तो कॉलेज ने अपनी 'वेलफेयर सोसाइटी' से सवा लाख रु. की मदद की. छात्रों का हौसला बढ़ा और उनके बनाए रोबोट और सोलर कार ने इस चैंपियनशिप में पूरे एशिया के कॉलेजों के बीच 21वां स्थान प्राप्त किया. इसी तरह प्रो. भरतराज सिंह और प्रो. ओंकार सिंह की टीम भी सोलर कार और हवा से चलने वाली देश की पहली बाइक बनाकर पिछले साल *लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स* में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है.

इससे दो बातें साफ हो जाती हैं. शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की जी-तोड़ मेहनत कर रहे यूपीटीयू और इससे संबद्ध 700 से अधिक कॉलेज के टीचर्स अब आगे बढ़कर अपने इनोवेशन से छात्रों को प्रेरित कर रहे हैं. टेक्निकल एजुकेशन

www.srmu.ac.in

SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY
Lucknow-Deva Road, Uttar Pradesh
chase reality... dreams will follow

ADMISSIONS OPEN 2015-16

16 Glorious Years of Academic Experience | Promoted by Two IIT Gold Medalists
Faculty from IIT, IIM, NIT, NLU and other Premier Institutions | Trusted by more than 16,000 students

UNDERGRADUATE PROGRAMMES

Course	Duration
B.Tech. (Computer Science, Electronics & Communication, Electrical, Civil, Mechanical, Bio-Tech)	4 Yrs
B.Sc.(Hons.) (Physics, Chemistry, Maths)	3 Yrs
B.Sc. (IT)	3 Yrs
B.Sc. (Hons.) Bio-Tech	3 Yrs
B.A. (Hons.) Economics	3 Yrs
B.A. (Hons.) English	3 Yrs
B.A. (Hons.) Applied Psychology	3 Yrs
B.A. (Hons.) Sociology	3 Yrs
B.Com. (Hons.)	3 Yrs
B.C.A.	3 Yrs
B.B.A. (Mkt., HR, Fin.)	3 Yrs
B.A. (Journalism & Mass Communication)	3 Yrs
LL.B.	3 Yrs

INTEGRATED PROGRAMMES

B.Tech. + MBA	5 Yrs
B.Tech. + M.Tech.	5 Yrs
B.A. + LL.B. (Hons.)	5 Yrs
B.Com. + LL.B. (Hons.)	5 Yrs
B.B.A. + LL.B. (Hons.)	5 Yrs

Missed Call : 9580324466, 9580424466

University Campus
Lucknow - Deva Road, Uttar Pradesh,
Email: admissions@srmu.ac.in

City Office
Radhey Krishna Bhawan, 3rd Floor
Park Road, Opp. Civil Hospital, Lucknow

Call : +91 9838904666, 9839771666, 9838785666

लिए समय-समय पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम चलाते हैं. उन्हें देश और विदेश में होने वाले सेमिनार में शामिल होने का मौका दिया जाता है. इसके अलावा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआइटी) से भी टीचर्स हमारे संस्थान में आ रहे हैं.''

जैसा स्टुडेंट, वैसी पढ़ाई

आज से कोई 15-16 साल पहले की बात है, जब तकनीकी शिक्षा के लिहाज से उत्तर प्रदेश को बंजर माना जाता था. सरकारी क्षेत्र से इतर निजी क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का परिदृश्य काफी धुंधला था. इसलिए छात्र बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दक्षिण के राज्यों का रुख करते थे. बीते 10 साल से राज्य में टेक्निकल एजुकेशन का परिदृश्य काफी बदल चुका है. 2001-02 में जहां बीटेक के लिए राज्य में केवल 43 संस्थान थे, वहीं पांच साल बाद इनकी संख्या बढ़कर 91 हो गई. अब यह 700 का आंकड़ा पार कर चुकी है. अकेले यूपीटीयू और इससे संबद्ध कॉलेजों में कुल 3,50,000 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं.

टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के प्रमुख सलाहकार जयंत कृष्ण बताते हैं कि यूपीटीयू के कॉलेजों में आने वाले सभी छात्रों की क्षमता एक जैसी नहीं होती. इसी ने इंजीनियरिंग कॉलेजों को एक ऐसा सिस्टम बनाने के लिए विवश किया है, जिसमें सभी छात्रों को उनकी जरूरतों के हिसाब से बेहतर शिक्षा मिल सके. लखनऊ में श्रीराम स्वरूप मेमोरियल ग्रुप ऑफ प्रोफेशनल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले छात्रों को पढ़ाई से पहले एक 'असेसमेंट टेस्ट' से गुजरना होता है. इसके जरिए यह मूल्यांकन किया जाता है कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने वाला स्टुडेंट कहां खड़ा है? पंकज अग्रवाल कहते हैं, ''असेसमेंट टेस्ट से टीचर्स को पता चल जाता है कि किस छात्र पर कितनी मेहनत करनी है?''

यूनाईटेड ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस, इलाहाबाद

कोर्स: बीटेक, एमटेक, एमसीए, बीबीए, बीसीए, बीफार्मा और पीजीडीसीएम

खूबियां: टेक्निकल एजुकेशन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे बदलावों से स्टुडेंट को वाकिफ कराने के लिए 'एक्टिव इनोवेशन सेंटर', फैकल्टी डेवलपमेंट कोर्स की सुविधा.

यहां ग्लोबल स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों और ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ 'स्टुडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम' की शुरुआत हुई है. 'करियर लॉन्चर के सहयोग से छात्रों का 'पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट' किया जा रहा है. यहां छात्रों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाता है. समृद्ध लाइब्रेरी सुविधा देने के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भी छात्रों का सर्वांगीण विकास करना पाठ्यक्रम का जरूरी हिस्सा है. छात्रों को पढ़ाई के साथ इंजीनियरिंग सेवा और सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए भी विशेष सुविधा दी जाती है. यहां इन्फोसिस, एचसीएल, अशोक लेलैंड, ओरेकल, महिंद्रा, सत्यम, एल ऐंड टी जैसी कंपनियों के अलावा कई स्वीडिश कंपनियां इंटरव्यू के लिए आती हैं.

''हमारे स्टुडेंट बेहद अनुशासित और संयमित हैं. अपने काम पर पूरी तरह फोकस करने के साथ वे हर लक्ष्य को निर्धारित समयसीमा में सफलतापूर्वक पूरा करने वाले हैं.''
सतपाल गुलाटी, वाइस चेयरमैन

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, वाराणसी

कोर्स: बीटेक, बीसीए, एमबीए, एमसीए, इंटरनेशनल बिजनेस और रिटेल मैनेजमेंट में पीजीडीएम

खूबियां: निजी क्षेत्र में यूपी का सबसे पुराना तकनीकी शिक्षण संस्थान. अध्ययन के साथ छात्रों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए 'सेंटर ऑफ स्प्रिचुएलिटी' कार्यरत.

'स्टुडेंट ऐंड फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम' के तहत शिक्षकों और छात्रों का अंतरराष्ट्रीय बाजार से परिचय कराने के लिए अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों के साथ एजुकेशनल टूर के लिए अनुबंध. छात्र और शिक्षक बिना किसी शुल्क के प्रशिक्षण के लिए अमेरिका जाते हैं. यह *बिजनेस इंडिया* द्वारा पिछले कई सालों से 'ए प्लस प्लस' रेटिंग पाने वाला संस्थान है. छात्रों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 'सेंटर फॉर कॉर्पोरेट ट्रेनिंग', 'सेंटर फॉर नॉलेज मैनेजमेंट' भी है. संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल का भी प्रकाशन करता है. यहां 24 घंटे लाइब्रेरी की सुविधा है और सभी इंटरनेशनल जर्नल मौजूद हैं. विद्यार्थियों के जीवन दर्शन को परिष्कृत करने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक सेमिनार का आयोजन होता है. सभी छात्रों को कॉलेज की तरफ से मुफ्त लैपटॉप की सुविधा है.

''टेक्निकल एजूकेशन के साथ-साथ भारतीय संस्कारों से भी ओत-प्रोत हमारे छात्र किसी भी संस्थान के लिए एक धरोहर हैं.''
डॉ. एम.पी. सिंह, कार्यकारी सचिव

लैब में निखर रहे छात्र

राज्य के तकनीकी और पेशेवर कॉलेजों ने बीते दस साल में जिस तरह से अपने छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप तैयार करना शुरू किया है, उससे देश-विदेश की बड़ी कंपनियों के बीच उनकी साख बनने लगी है. इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन की लखनऊ शाखा के चेयरमैन प्रशांत भाटिया स्वीकार करते हैं कि यूपी के कुछ इंजीनियरिंग कॉलेज बेहतर मानव संसाधन तैयार कर रहे हैं. इस बदलाव की वजह इंजीनियरिंग कॉलेजों का अपनी लैब पर ज्यादा